तीसरी भारत - जापान इस्पात वार्ता

स्रोत: पी.आई.बी.

नई दिल्ली में आयोजित तीसरी **भारत-जापान इस्पात वार्ता** में दोनों देशों ने आर्थिक विकास, इस्पात व्यापार और तकनीकी सहयोग पर चर्चा की।

- **संस्थागत तंत्र:** यह वार्ता इस्पात क्षेत्र पर **सहयोग ज्ञापन (MoC)** का हिस्सा है, जिस पर वर्ष 2020 में दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किये गए थे, जिसका उद्देश्य सतत् विकास, नवाचार और कार्यस्थल सुरक्षा को बढ़ावा देना है।
- **परिणाम:** भारत ने **जापानी कंपनियों के लिये व्यापार में सुगमता** का आश्वासन दिया, जबकि जापान ने नई इस्पात प्रौद्योगिकियों में निवेश के लिये अपने समर्थन की पुष्टि की।
  - दोनों पक्षों ने यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (EU CBAM) और इस्पात व्यापार पर इसके प्रभाव पर अपने दृष्टिकोण साझा किये।
- **EU CBAM:** यह आयातित वस्तुओं पर **कार्बन उत्सर्जन** का मूल्य निर्धारण करने और वैश्विक स्तर पर स्वच्छ औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये EU की प्रणाली है।
  - **CBAM के संक्रमणकालीन चरण (2023-2025)** में रिपोर्टिंग दायित्व शामिल हैं, जिसका **पूर्ण वित्तीय कार्यान्वयन वर्ष 2026 से होगा,** जिसमें लोहा, इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, एल्यूमीनियम, विद्युत् और हाइड्रोजन शामिल होंगे।

और पढ़ें: ग्रीन स्टील नीति

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/3rd-india-japan-steel-dialogue